वार्षिक पाठ्यक्रम संरचना कक्षा : IX (2022-2023)

विषय: सामाजिक विज्ञान

(सी. बी. एस. ई. विषय कोड संख्या 087)

क्रम संख्या	विषय	अंक
I	इतिहासः भारत व समकालीन विश्व–1	20
II	भूगोलः समकालीन भारत–1	20
III	लोकतान्त्रिक राजनीति–1	20
IV	अर्थशास्त्र	20
	कुल	80
	आंतरिक मूल्यांकन	20
पूर्णांक		100

पाठ्य पुस्तक	विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य
इतिहासः भारत व समकालीन विश्व–1	खण्ड 1 घटनाएँ और प्रक्रियाएँ (सभी अध्याय–1 फ्रांसीसी क्रांति • अठारहवीं सदी के उत्तरार्द्ध में फ्रांसीसी समाज • क्रांति की शुरुआत • फ्रांस में राजतंत्र का उन्मूलन और गणराज्य की स्थापना • क्या महिलाओं के लिए भी क्रांति हुई? • दास प्रथा का उन्मूलन • क्रांति और रोजाना की जिंदगी • मानचित्र कार्य	• क्रांति से संबन्धित लोगों के नामों, विभिन्न विचारों जिन्होंने क्रांति को प्रोत्साहित किया तथा उन वृहद बलों से परिचित होना जिन्होंने क्रांति को मूर्त रूप प्रदान किया। • क्रांति के इतिहास की पुनःप्राप्ति के लिए लिखित, दृश्य एवं श्रव्य माध्यमों के उपयोग की जानकारी प्राप्त करना।
	अध्याय–2: यूरोप में समाजवाद एवं रुसी क्रान्ति • सामाजिक परिवर्तन का युग • रूसी क्रांति • पेत्रोग्राद में फरवरी क्रांति • अक्तूबर के बाद क्या बदला? • रूसी क्रांति और सोवियत संघ का वैश्विक प्रभाव	• रूसी क्रांति के अध्ययन के द्वारा समाजवाद के इतिहास की पड़ताल करना। • क्रांति को प्रेरित करने वाले विभिन्न विचारों से परिचित होना।

	• मानचित्र कार्य	
	<u>पाठ–3ः नात्सीवाद और हिटलर का उदय</u> • वाइमर गणराज्य का जन्म • हिटलर का उदय • नात्सियों का विश्व दृष्टिकोण • नात्सी जर्मनी में युवाओं की स्थिति • आम जनता और मानवता के खिलाफ अपराध। • मानचित्र कार्य	• आधुनिक विश्व की राजनीति को आकार देने में नात्सीवाद के महत्वपूर्ण योगदान की चर्चा। • नात्सी नेताओं के भाषणों एवं लेखों से परिचित होना।
भूगोलः समकालीन भारत–1	<u>अध्याय–1 भारतः आकार और स्थिति</u> •स्थिति •आकार •भारत एवं विश्व •भारत एवं पड़ोसी देश • मानचित्र कार्य	• भारतीय उपमहाद्वीप में भारत की अवस्थिति की पहचान।
	<u>अध्याय–2ः भारत का भौतिक स्वरुप</u> • प्रमुख भौगोलिक स्थितियाँ – हिमालय पर्वत, उत्तरी मैदान, प्रायद्वीपीय पठार, भारतीय मरूस्थल, तटीय मैदान, द्वीप समुह • मानचित्र कार्य	• प्रमुख स्थलाकृतियों की विशेषताओं, अंतर्निहित भूगार्भिक संरचनाओं, विभिन्न चट्टानों से उनके संबंध तथा खनिजों एवं मृदा के प्रकारों को समझना।
	<u>अध्याय–3ः अपवाह</u> • विषयवस्तु • भारत में अपवाह तंत्र • हिमालय की नदियाँ– गंगा एवं ब्रह्मपुत्र की नदी प्रणाली • प्रायद्वीपीय नदियाँ – नर्मदा बेसिन, ताप्ती बेसिन, गोदावरी बेसिन, महानदी बेसिन, कृष्णा बेसिन, कावेरी बेसिन • अर्थव्यवस्था में नदियों की भूमिका • नदी प्रदुषण • मानचित्र कार्य	• देश के नदी तंत्र की पहचान करना एवं मानव समाज में नदियों के महत्व को पहचानना।
<u>लोकतान्त्रिक राजनीति–1</u>	<u>अध्याय–1 लोकतन्त्र क्या ? लोकतन्त्र क्यों ?</u> • लोकतन्त्र क्या है? • लोकतन्त्र की विशेषताएँ। • लोकतन्त्र क्यों? • लोकतन्त्र का वृहत्तर अर्थ।	• लोकतन्त्र को परिभाषित करने के अवधारणात्मक कौशलों का विकास। • लोकतन्त्र को विकसित करने की विभिन्न एतिहासिक प्रक्रियाओं और ताकतों की समझ। • सामान्य पूर्वाग्रहों के विरुद्ध लोकतन्त्र के परिष्कृत बचाव का विकास। • भारत में लोकतन्त्र के चुनाव और प्रकृति की एतिहासिक समझ का विकास।

	<u>अध्याय–2 : संविधान निर्माण</u> • दक्षिण अफ्रीका में लोकतांत्रिक संविधान। • हमें संविधान की जरूरत क्यों है? • भारतीय संविधान का निर्माण। • भारतीय संविधान के बुनियादी मूल्य।	• संविधान निर्माण की प्रक्रिया की समझ। • संविधान के प्रति आदर और संवैधानिक मूल्यों की सराहना का विकास। • संविधान की एक जीवंत और प्रगतिशील दस्तावेज़ के रूप में पहचान।
	<u>अध्याय–3ः चुनावी राजनीति</u> • चुनाव क्यों? • चुनाव की हमारी प्रणाली क्या है? • भारत में चुनाव क्यों लोकतंत्रिक है?	• प्रतिनिधि लोकतन्त्र बनाम प्रतिस्पर्धी दलगत राजनीति की समझ। • भारतीय चुनाव प्रणाली से परिचय। • वर्तमान भारतीय चुनाव व्यवस्था को अपनाने के कारणों की समझ। • चुनावी राजनीति में जनता की बढ़ती भागीदारी की सराहना करने की भावना का विकास। • चुनाव आयोग के महत्व की पहचान।
<u>अर्थशास्त्र</u>	<u>अध्याय–1 पालमपुर की कहानी</u> • पृष्ठभूमि • उत्पादन के संगठन • पालमपुर में कृषि क्रियाएँ • पालमपुर में गैर–कृषि क्रियाएँ	• एक काल्पनिक गाँव की कहानी के द्वारा मौलिक आर्थिक अवधारणा से परिचित होना।
	<u>अध्याय–2 संसाधन के रूप में लोग</u> • पृष्ठभूमि • पुरूषों एवं महिलाओं द्वारा की जाने वाली आर्थिक क्रियाएँ • बेरोजगारी	• जनसांख्यिकीय अवधारणा की समझ। • जनसंख्या का किसी देश के लिए एक संपत्ति या दायित्व के रूप में समझ।
• उपर्युक्त पाठ्यक्रम 30 सितम्बर 2022 तक पूर्ण कर लिया जाए। • पाठ्यक्रम पूरा होने के पश्चात् मध्यावधि परीक्षा के लिए पुनरावृत्ति करवाई जाए।		
मध्यावधि परीक्षा		

<table>
<tr><th>पाठ्य पुस्तक</th><th>विषय वस्तु</th><th>अधिगम उद्देश्य</th></tr>
<tr><td rowspan="2"><u>इतिहास – भारत और समकालीन विश्व–1</u></td><td>जीविका, अर्थव्यवस्था एवं समाज
अध्याय–4ः वन्य–समाज और उपनिवेशवाद
• वनों का विनाश क्यों?
• व्यवसायिक वानिकी की शुरुआत
• वन विद्रोह
• जावा के जंगलों में हुए बदलाव।</td><td>• कुछ प्रमुख विद्रोहों के माध्यम से वन्य समुदायों के सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवेश की चर्चा करना।
• वनवासी विद्रोहों की प्रकृति की मौखिक रीति–रिवाजों के माध्यम से जानकारी प्राप्त करने की समझ विकसित करना।</td></tr>
<tr><td><u>अध्याय–5ः आधुनिक विश्व में चरवाहे</u>
• घुमन्तु चरवाहे और उनकी आवाजाही
• औपनिवेशिक शासन और चरवाहों का जीवन
• अफ्रीका में चरवाहा जीवन।</td><td>• अलग अलग चरवाहा समुदायों के बीच विकास के विभिन्न प्रारूपों की विशिष्टता को दर्शाना।
• उपनिवेशवाद का वन्य समाज पर पड़ने वाले प्रभावों एवं वैज्ञानिक वानिकी के निहितार्थों का विश्लेषण।
• आधुनिक विश्व में कृषिगत परिवर्तनों की विभिन्न प्रक्रियाओं को दिखाना।
• आधुनिक विश्व के चरवाहों पर आधुनिक राज्यों, सीमांकन, गतिहीनता की प्रक्रिया, चारागाहों का संकुचन तथा बाज़ारों के विस्तार का विश्लेषण।</td></tr>
<tr><td><u>भूगोल समकालीन भारत–1</u></td><td><u>अध्याय–4ः जलवायु</u>
• अवधारणा
• जलवायवी नियंत्रण
• भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक
• अक्षांश, ऊचाँई, दबाव एवं हवा
• (जेट धाराओं, पश्चिमी विक्षोभ एवं उससे संबंधित चित्र)
• ऋतुएँ – शीत ऋतु, ग्रीष्म ऋतु, मानसून का आगमन एवं मानसून की वापसी
• वर्षा का वितरण
• मानसून एकता का परिचायक
• मानचित्र कार्य</td><td>• जलवायु को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों को पहचानना तथा हमारे देश के जलवायविक बदलावों, इसके लोगों के जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों की पहचान।
• मानसून की एकता में भूमिका तथा महत्व का वर्णन।</td></tr>
</table>

	<u>अध्याय–5: प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी</u> • वनस्पति के प्रकार: उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन, उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन, उष्ण कटिबंधीय कंटीले वन तथा झाड़ियाँ, पर्वतीय वन, मैंग्रोव वन • वन्य जीव • मानचित्र कार्य	• विविध प्राकृतिक वनस्पतियों एवं वन्य जीवों की प्रकृति और वितरण का वर्णन। • हमारे देश की जैव विविधता को संरक्षित करने की जागरूकता का विकास।
	<u>अध्याय–6: जनसंख्या</u> • जनसंख्या आकार एवं वितरण– भारत की जनसंख्या का आकार एवं वितरण संख्या द्वारा, घनत्व के आधार पर भारतीय जनसंख्या का वितरण। • जनसंख्या वृद्धि एवं जनसंख्या परिवर्तन की प्रक्रिया– जनसंख्या वृद्धि, जनसंख्या परिवर्तन/वृद्धि की प्रक्रिया • मानचित्र कार्य	• हमारी जनसंख्या के असमान वितरण का विश्लेषण तथा जनसंख्या के बड़े आकार के प्रति जागरूकता प्रकट करना।
<u>लोकतान्त्रिक राजनीति–1</u>	<u>अध्याय–4: संस्थाओं का काम काज</u> • प्रमुख नीतिगत फैसले कैसे लिए जाते हैं? • संसद • राजनैतिक कार्यपालिका • न्यायपालिका।	• केंद्रीय शासकीय संस्थाओं का अवलोकन। • संसद की भूमिका एवं संसदीय प्रक्रियाओं की पहचान। • राजनीतिक एवं स्थायी कार्यपालिका के कार्यों में अंतर की पहचान। • संसदीय व्यवस्था में कार्यपालिका की विधायिका के प्रति जबाबदेही की समझ। • भारतीय न्यायपालिका की कार्यप्रणाली की समझ।
	<u>अध्याय–5: लोकतान्त्रिक अधिकार</u> • अधिकारों के बिना जीवन • लोकतन्त्र में अधिकार • भारतीय संविधान मे अधिकार • अधिकारों का बढ़ता दायरा।	• जीवन में अधिकारों की आवश्यकता की समझ। • लोकतान्त्रिक व्यवस्था/ सरकारों में अधिकारों की उपलब्धता,पहुँच की समझ। • भारतीय संविधान द्वारा अपने नागरिकों को दिये गए मौलिक अधिकारों की पहचान एवं समझ विकसित करना। • अधिकारों की रक्षा की प्रक्रिया के प्रति जागरूकता बनाना।

<u>अर्थशास्त्र</u>	<u>अध्याय–3: निर्धनताः एक चुनौती</u> • पृष्ठभूमि • निर्धनता के दो प्रमुख प्रकार • निर्धनता सामाजिक वैज्ञानिकों की नजर से • निर्धनता का निर्धारण • असुरक्षित समुह • अंतरराज्यीय विभिन्नता • वैश्विक निर्धनता परिदृश्य • निर्धनता के कारक • निर्धनता रोधी उपाय • आगे की चुनौतियाँ	• निर्धनता को एक चुनौती के रूप में समझना। • असुरक्षित समूहों तथा अंतर–राज्यीय असमानताओं को पहचानना। • निर्धनता उन्मूलन के लिए किए जा रहे सरकारी प्रयासों की सराहना करना।
	<u>अध्याय–4: भारत में खाद्य सुरक्षा</u> • पृष्ठभूमि • खाद्य सुरक्षा क्या है? • खाद्य सुरक्षा क्यों? • खाद्य असुरक्षित कौन हैं? • भारत में खाद्य सुरक्षा • बफर स्टॉक क्या है? • सार्वजनिक वितरण प्रणाली क्या है? • सार्वजनिक वितरण प्रणाली की वर्तमान स्थिति • सहकारी समितियों की खाद्य सुरक्षा में भूमिका	• खाद्य सुरक्षा की अवधारणा को समझना। • खाद्य आपूर्ति सुनिश्चित करने में सरकार की भूमिका की सराहना और विश्लेषण।
नोट– उपर्युक्त पाठ्यक्रम 31 जनवरी 2023 तक पूर्ण किया जाए। वार्षिक परीक्षा में संपूर्ण पाठ्यक्रम का मूल्यांकन किया जाएगा।		

वार्षिक परीक्षा 2023

कक्षा के लिए परियोजना कार्य

कालांश: 05 **कुल अंक**: 05

1. प्रत्येक विद्यार्थी को अनिवार्य रुप से एक परियोजना कार्य आपदा प्रबंधन विषय पर करना है।
2. उद्देश्य –आपदा प्रबंधन से संबन्धित परियोजना कार्य विद्यार्थियों को देने का उद्देश्य है कि–

क. विद्यार्थियों में विभिन्न आपदाओं,उसके प्रभाव तथा प्रबंध के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना।
ख. ऐसी किसी स्थिति से निबटने के लिए उन्हें पहले से ही तैयार करना,
ग. आपदा शमन योजना में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना,
घ. समुदायों में जागरूकता एवं तत्परता विकसित करने हेतु उन्हें समर्थ बनाना।

3. परियोजना कार्य द्वारा विद्यार्थियों के जीवन कौशलों का विकास करने का प्रयास करना चाहिए।
4. यदि संभव हो तो विभिन्न प्रकार की कलाओं को भी परियोजना कार्य में सम्मिलित किया जाना चाहिए।
5. अपेक्षित उद्देश्यों की पूर्ण प्राप्ति के लिए प्रधानाचार्य/अध्यापकगणों द्वारा विभिन्न स्थानीय प्राधिकारणों एवं संस्थाओं जैसे– आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राहत पुनर्वास, राज्यों के आपदा प्रबंधन विभाग,जिला दंडाधिकारी/उपायुक्त, अग्नि शमन, पुलिस, सिविल डिफेंस आदि से सहयोग प्राप्त किया जाए जहाँ स्कूल अवस्थित हैं।
6. परियोजना कार्य के लिए अंक वितरण इस प्रकार है –

क्रम संख्या	आयाम	टंक
1	विषयवस्तु की सटीकता, मौलिकता तथा विश्लेषण	2
२	प्रस्तुतीकरण तथा रचनात्मकता	2
३	साक्षात्कार	1

7. इन परियोजना कार्यों को विद्यार्थियों से क्रियाकलापों जैसे – प्रदर्शनी, वाद–विवाद आदि द्वारा साझा किए जाने चाहिए।
8. परियोजना कार्य के मूल्यांकन संबंधी दस्तावेज विद्यालय द्वारा अनुरक्षित किए जाने चाहिए।
9. एक संक्षिप्त विवरण भी तैयार किया जाएगा जिसमें निम्न बिन्दुओं को उजागर किया गया हो –
   1. व्यक्तिगत या सामूहिक विचार–विमर्श द्वारों साधित उद्देश्य
   2. क्रियाकलापों का कलेंडर
   3. इस प्रक्रिया से निकले अभिनव विचार
   4. मौखिक जाँच में पूछे गए प्रश्नों की सूची
10. सभी शिक्षक व विद्यार्थी इस बात का ध्यान रखेगें कि परियोजना तथा प्रतिरुप बनाने के लिए पर्यावरण हितैषी सामग्री का उपयोग किया गया हो तथा मितव्ययिता का ध्यान रखा जाए।
11. परियोजना कार्य हस्तलिखित अथवा डिजिटल हो सकता है।
12. परियेजना कार्य के द्वारा शिक्षार्थियों के संज्ञानात्मक, भावनात्मक और मनो प्रेरणा कौशल को बढ़ाने की आवश्यकता है। इसमें शिक्षक मूल्यांकन के साथ – साथ स्व – मूल्यांकन एवं सहपाठी मूल्यांकन तथा परियोजना – आधारित और पूछताछ – आधारित शिक्षा, कला एकीकृत गतिविधियाँ, प्रयोग, मॉडल, क्विज, रोल– प्ले, समूह कार्य, पोर्टफोलियो आदि में विद्यार्थियों की प्रगति शामिल होगी। (एनइपी 2020)

(परियोजना कार्य में पावर पाइंट प्रजेंटेशन, प्रदर्शनी, प्रहसन, एल्बम,फाइल/गीत एवं नृत्य अथवा सांस्कृतिक कार्यक्रम/ कहानी कहना/वाद–विवाद/पैनल संवाद, पेपर प्रस्तुतीकरण आदि जो भी दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए सहज हो उसे शामिल करें।)

13. प्रोजेक्ट रिपोर्ट (आंतरिक परीक्षण का अभिलेख) तीन माह तक जाँच हेतू (यदि कोई हो तो) सुरक्षित रखा जाए।

मानचित्र कार्य

इतिहास

अध्याय–1 फ्राँसीसी क्रांति (फ्राँस के मानचित्र पर स्थान दिखाकर नाम लिखना/या पहचान करना)

- बोरडेक्स
- नान्ते
- पेरिस
- मार्सिलेस

अध्याय–2 यूरोप में समाजवाद तथा रुसी क्रान्ति (विश्व के मानचित्र पर – दिखाकर नाम लिखना/पहचान करना)

प्रथम विश्व युद्ध में शामिल प्रमुख देश–

केन्द्रीय शक्तियाँ– जर्मनी, आस्ट्रिया–हंगरी, तुर्की (ऑटोमन साम्राज्य)

मित्र राष्ट्र– फ्राँस, इंग्लैण्ड, रुस, संयुक्त राज्य अमेरिका

अध्याय–3ः नात्सीवाद तथा हिटलर का उदय ;

विश्व मानचित्र पर दिखाकर नाम लिखना/पहचान करना व अंकित करना

द्वितीय विश्व युद्ध में शामिल प्रमुख देश–

धुरी राष्ट्र– जर्मनी, इटली, जापान

मित्र राष्ट्र –यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, सोवियत संघ, संयुक्त राज्य अमेरिका

नात्सी साम्राज्य विस्तार के क्षेत्र- आस्ट्रिया, पोलेण्ड, चेकलोस्वाकिया (केवल स्लोवाकिया) , डेनमार्क, लिथुवानिया, फ्रांस, बेल्जियम।

भूगोल

अध्याय–1ः भारतः आकार और स्थिति

भारत के राज्य व राजधानियाँ, कर्क रेखा, प्रधान याम्योत्तर रेखा; मानचित्र पर दिखाकर नाम लिखना/पहचान करना व अंकित करना

अध्याय–2. भारत के भौतिक लक्षण –

- पर्वत श्रेणीयाँ – काराकोरम, जास्कर, शिवालिक, अरावली, विध्यांचल, सतपुड़ा, पश्चिमी घाट, पूर्वी घाट
- पर्वत शिखर – के–2, कंचनजंगा, अनाईमुदी।
- पठार – दक्कन पठार, छोटा नागपुर पठार, मालवा का पठार।
- तटीय मैदान – कोंकण, मालाबार, कोरोमण्डल, उत्तरी सरकार;
  मानचित्र पर दिखाकर नाम लिखना/पहचान करना, अंकित करना।

अध्याय–3ः अपवाह

- नदियाँ – **हिमालयी नदी तंत्र**–सिन्धु, गंगा, सतलुज;

- प्रायद्वीपीय नदी तंत्र – नर्मदा, तापी, कावेरी, कृष्णा, गोदावरी, महानदी
- झीलें – वुलर, पुलीकट, सांभर, चिल्का

अध्याय–4: जलवायु

20 से.मी. से कम तथा 400 से.मी. से अधिक वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्र ;केवल पहचान के लिए।

अध्याय–5: प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य जीव

- वनस्पति प्रकार – उष्णकटिबन्धीय सदाबहार वन, उष्णकटिबन्धीय पर्णपाती वन, कंटीले वन, पर्वतीय वन, मैंग्रोव ;केवल पहचान करने के लिए
- राष्ट्रीय उद्यान – कार्बेट, काजीरंगा, रणथम्भौर, शिवपुरी, कान्हा, सिमलीपाल, मानस
- पक्षी अभ्यारण्य – भरतपुर, रंगनथिटो
- वन्य जीव अभ्यारण्य – सरिस्का, मुदुमलाई, राजाजी, दाचीगाम (दिखाकर नाम लिखना व अंकित करना।)

पाठ–6: जनसंख्या

- सबसे अधिक तथा सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य

अनुशंसित पुस्तकें

1 इतिहास: भारत व समकालीन विश्व 1 – NCERT द्वारा प्रकाशित
2 भूगोल: समकालीन भारत–1 – NCERT द्वारा प्रकाशित
3 राजनीति विज्ञान: लोकतान्त्रिक राजनीति-1 – NCERT द्वारा प्रकाशित
4 अर्थशास्त्र: आर्थिक विकास की समझ – NCERT द्वारा प्रकाशित
5 आओ मिल कर चलें एक सुरक्षित भारत की ओर भाग-2 - आपदा प्रबंधन के लिए पाठ्य पुस्तक कक्षा IX– सीबीएसई द्वारा प्रकाशित

SOCIAL SCIENCE (CODE NO. 087)

QUESTION PAPER DESIGN

CLASS IX 2022-2023

Time:3 Hours **Max. Marks:80**

Sr. No.	Competencies	Total Marks	Weightage %
1	**Remembering and Understanding:** Exhibit memory of previously learned material by recalling facts, terms, basic concepts, and answers Demonstrate understanding of facts and ideas by organizing, comparing, translating, interpreting, giving descriptions, and stating main ideas	28	35%
2	**Applying:** Solve problems to new situations by applying acquired knowledge, facts, techniques and rules in a different way.	15	18.75%
3	**Formulating, Analysing, Evaluating and Creating**: Examine and break information into parts by identifying motives or causes. Make inferences and find evidence to support generalizations. Presenting and defending opinions by making judgments about information, validity of ideas, or quality of work based on a set of criteria; Compiling information together in a different way by combining elements in a new pattern or proposing alternative solutions.	32	40%
4.	**Map Skills**	5	6.25%
5.	**Total**	80	100

Note: Teachers may refer 'Learning Outcomes' published by NCERT for developing lesson plans, assessment framework and questions.